संदेसा आ गया यम का,
चलन की कर तैयारी है।।

बाल सिर के हुए धोले,
सफेदी आँख पर छाई,
कान से हो गया बेहरा,
दाँत हिलना भी जारी है,
संदेसा आ गया जम का,
चलन की कर तैयारी है।।

कमर सब हो गई कुबड़ी,
चले लकड़ी सहारे से,
गई सब देह की ताकत,
लगी तन में बीमारी है,
संदेसा आ गया जम का,
चलन की कर तैयारी है।।

छुटी सब प्रीत तिरिया की,
पुत्र सब हो गये न्यारे,
बने सब मतलब के साथी,
झूठ लोकन की यारी है,
संदेसा आ गया जम का,
चलन की कर तैयारी है।।

करो जगदीश का सुमिरण,
भरोसा राख कर मन में,
वो ब्रह्मानन्द है तेरा,
एक ही सहायकारी है,
संदेसा आ गया जम का,
चलन की कर तैयारी है।।

संदेसा आ गया यम का,
चलन की कर तैयारी है।।

स्वर प्रकाश गाँधी।

Source:
https://www.bharattemples.com/sandesha-aa-gaya-yam-ka-chalan-ki-karo-taiyari-hai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw